हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली

बी.ए. (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम

चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति
(LOCF)

(जुलाई, 2019 से आरंभ)

सी.बी.सी.एस.

(चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति)

(LOCF)

बी.ए. (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम

सेमेस्टर-1	
1.1	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (Core Course-1) **BAPHCC01**
1.2	हिंदी योग्यता संवर्द्धक पाठ्यक्रम Language-MIL/English Comm. (AECC) **BAPAECC01**
सेमेस्टर-2	
2.1	हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल) (Core Course-2) **BAPHCC02**
2.2	आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी : भाषा और साहित्य – क **BAPMILHA01** Language-MIL/English-1 आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी : भाषा और साहित्य – ख **BAPMILHB01** Language-MIL/English-1 आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी : भाषा और साहित्य – ग **BAPMILHC01** Language-MIL/English-1
सेमेस्टर-3	
3.1	हिंदी कथा साहित्य (Core Course-3) **BAPHCC03**
3.2	हिन्दी कौशल-संवर्द्धक पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course; Any One) (क) रचनात्मक लेखन **BAPHSEC01** **अथवा** (ख) भाषा शिक्षण **BAPHSEC02** **अथवा** (ग) कार्यालयी हिंदी **BAPHSEC03**
सेमेस्टर-4	
4.1	अन्य गद्य विधाएँ (Core Course-4) **BAPHCC04**
4.2	आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी गद्य : उद्भव और विकास – क **BAPMILHA02** Language-MIL/English-2 आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी गद्य : उद्भव और विकास – ख **BAPMILHB02** Language-MIL/English-2 आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी गद्य : उद्भव और विकास – ग **BAPMILHC02** Language-MIL/English-2

4.3	हिन्दी कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course; Any One) (क) भाषायी दक्षता **BAPHSEC04** **अथवा** (ख) विज्ञापन और हिंदी भाषा **BAPHSEC05** **अथवा** (ग) कम्प्यूटर और हिंदी भाषा **BAPHSEC06**
सेमेस्टर-5	
5.1	विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective-1) (क) हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण **BAPHDSE01** **अथवा** (ख) हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परम्परा **BAPHDSE02** **अथवा** (ग) हिंदी रंगमंच **BAPHDSE03**
5.2	सामान्य (जेनरिक) ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective; Any One) (क) अनुवाद : व्यवहार और सिद्धांत **BAPHGE01** **अथवा** (ख) जनपदीय साहित्य **BAPHGE02**
सेमेस्टर-6	
6.1	विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective-2) (क) साहित्य चिंतन **BAPHDSE04** **अथवा** (ख) कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश **BAPHDSE05** **अथवा** (ग) विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार ▪ कबीर **BAPHDSE06** ▪ तुलसीदास **BAPHDSE0601** ▪ प्रेमचंद **BAPHDSE0602** ▪ निराला **BAPHDSE0603**
6.2	सामान्य (जेनरिक) ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective; Any One) (क) अस्मितामूलक अध्ययन और हिंदी साहित्य **BAPHGE03** **अथवा** (ख) हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन **BAPHGE04**

Introduction

Content: बी॰ए॰ हिंदी (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम विद्यार्थी के आलोचनात्मक विवेक और रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है| साहित्य की समझ के साथ भाषा का ज्ञान विद्यार्थी को सम्वेदनात्मक क्षमता और ज्ञानात्मक सम्वेदन प्रदान करता है| समाज विज्ञान और मानविकी क्षेत्र की शाखाओं के साथ आज विश्व को सजग, आलोचनात्मक, विवेकशील और सम्वेदनशील व्यक्ति की आवश्यकता है, जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरुद्ध समानता और बंधुत्व के भाव की स्थापना कर सके| भाषा, आलोचना, काव्यशास्त्र का अध्ययन जहाँ सैद्धांतिक समझ को विस्तृत करता है वहीं कविता, नाटक, कहानी में उन सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से समझने की युक्तियाँ छिपी रहती हैं| इस प्रकार हिन्दी (प्रोग्राम) का पाठ्यक्रम विद्यार्थी को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों रूपों में सक्षम बनाता है|

Learning Outcome based approach to Curriculum Planning
>> Aims of Bachelor's degree programme in (CBCS) B.A.(PROG)

Content: भारतीय संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है । हिन्दी पढने वाले छात्र को भाषा की क्षमता से परिचित होना जितना आवश्यक है उतना ही उसे समाज की चुनौतियों के सन्दर्भ में जोड़ने की योग्यता विकसित करना भी जरूरी है| आज हम भूमंडलीकृत समाज का अंग है अत: पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को देश-विदेश के साहित्य में हो रहे बदलाव से परिचित कराना भी है और व्यावसायिक योग्यता उत्पन्न करना भी| यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी की राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है । यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा । हिंदी साहित्य की नई समझ और भाषा की व्यावहारिकता की जानकारी इसका प्रमुख ध्येय है । इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल सम्बन्धों की पहचान कराना भी है जिससे विद्यार्थी देश, समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ बदलते समय में व्यापक सरोकारों से अपना सम्बन्ध जोड़ सके साथ ही उसके भाषा कौशल, लेखन और सम्प्रेषण क्षमता का विकास हो सके|

Graduate Attributes in Subject
>> Disciplinary knowledge

Content: भाषा, साहित्य और संस्कृति के अध्ययन-विश्लेषण द्वारा इतिहास, समाजविज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, भाषाविज्ञान आदि विषयों का तुलनात्मक ज्ञान विकसित होगा |

Graduate Attributes in Subject
>> Communication Skills

Content: साहित्य और भाषा के बहुआयामी अध्ययन से संवाद एवं लेखन की क्षमता विकसित होगी |

Graduate Attributes in Subject
>> Critical thinking

Content: अंतर-अनुशासनात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन करने से आलोचनात्मक विवेक विकसित होगा |

Graduate Attributes in Subject
>> Reflective thinking

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन करने से व्यक्तित्व विकास होने के साथ-साथ समाज और आत्म के अंतर्संबंध को समझने की विशेष योग्यता विकसित होती है|

Graduate Attributes in Subject

>> Moral and ethical awareness/reasoning

Content: साहित्य प्रत्यक्ष रूप से नैतिक मूल्यों के विकास का अवसर प्रदान करता है |

Graduate Attributes in Subject
>> Multicultural competence

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन बहु-सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है |

Qualification Description

Content: 10+2 या समकक्ष

Programme Learning Outcome in course

Content: इस पाठ्यक्रम को पढ़ने- पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-
1) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के आरंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी ।
2) भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा ।
3) उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा ।
4) छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे ।
5) व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कम्प्यूटर जैसे विषयों को हिन्दी से जोड़कर पढ़ाना जिससे बाज़ार के लिए आवश्यक योग्यता का भी विकास किया जा सके|
6) हिंदी के अतिरिक्त भारतीय साहित्य का ज्ञान भी अपेक्षित रहेगा जो छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा ।
7) साहित्य के सौन्दर्य, कला बोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा देना |
8) साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा देना |
9) साहित्य के आदिकालीन सन्दर्भों से लेकर समकालीन रूप से परिचित कराना जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और युगबोध के सम्बन्ध को परख और पहचान सकें|
10) साहित्य विवेक का निर्माण |

Teaching-Learning Process

Content: सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देना है । छात्र हिंदी भाषा में नयापन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें । अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सकें । साहित्य की समझ विकसित हो सके तथा आलोचनात्मक ढंग से साहित्यिक विवेक निर्मित किया जा सके| इसके लिए निम्नांकित बिन्दुओं को देखा जा सकता है -
कक्षा व्याख्यान
सामूहिक चर्चा
सामूहिक परिचर्चा और चयनित विषयों पर आधारित सेमिनार आयोजन
साहित्यिकता की समझ देना
प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप में देखना
कक्षाओं में पठन- पाठन पद्धति
लिखित परीक्षा
आंतरिक मूल्यांकन
शोध सर्वेक्षण

वाद –विवाद
आशु प्रस्तुति
कम्प्यूटर आदि का व्यावहारिक ज्ञान
दृश्य-श्रव्य माध्यमों की जानकारी व्यावहारिक रूप से देना
काव्य वाचन, पठन और आलोचनात्मक मूल्यांकन
कथा के पाठ और वाचन में अंतर समझाना
आलोचनात्मक मूल्यांकन पर बल

Assessment Methods

Content: (1) हिंदी भाषा के व्यावहारिक मूल्यों पर आधारित परियोजना कार्य व मूल्यांकन ।
(2) भाषिक नमूने तैयार करना और विश्लेषण
(3) विद्यार्थियों का मौखिक और लिखित मूल्यांकन
(4) पी.पी.टी. (power point presentation) बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना । इस माध्यम से हिंदी की विविध विधाओं को दृश्य माध्यम से रुचिकर रूप से जाना जा सकेगा ।
(5) विधा विशेष के भाव - सौंदर्य के साथ-साथ रचना में छंद, अलंकार, रस, गुण, शब्द आदि के सौंदर्य का मूल्यांकन करना |
(6) भाव विश्लेषण के लिए विधा आधारित प्रश्नोत्तरी कर मूल्यांकन करना ।
(7) पारम्परिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन
(8) समूह-परिचर्चा

अन्य गद्य विधाएँ
(BAPHCC04)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी कथेतर गद्य की समझ विकसित करना

निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, व्यंग्य आदि विधाओं के विश्लेषण की पद्धतियों से परिचय कराना

Course Learning Outcomes

अन्य गद्य विधाओं की स्पष्ट समझ विकसित होगी

आलोचनात्मक समझ विकसित होगी

Unit 1

जातीयता के गुण – बालकृष्ण भट्ट (भट्ट निबंधमाला, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

साहित्य का उद्देश्य – प्रेमचंद

भाषा, संस्कृति और राष्ट्रीयता - जयप्रकाश कर्दम

Unit 2

भक्तिन : संस्मरण - महादेवी वर्मा

अदम्य जीवन – रांगेय राघव

Unit 3

वैष्णव जन (ध्वनि रूपक)- विष्णु प्रभाकर

शायद : एकांकी - मोहन राकेश

Unit 4

उखड़े खम्भे – हरिशंकर परसाई (व्यंग्य)

लक्खा बुआ ('नंगा तलाई का गांव 'से) - विश्वनाथ त्रिपाठी

References

हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी

हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास –रामस्वरूप चतुर्वेदी

हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

Additional Resources:

इक्कीसवीं सदी में दलित आंदोलन (साहित्य एवं समाज चिंतन) - जयप्रकाश कर्दम

निबंधों की दुनिया – शिवपूजन सहाय ;निर्मला जैन /अनिल राय

छायावादोत्तर गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह   -   इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह   -   इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह   -   इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कथेतर गद्य

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-क) (BAPMILHA01)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी

आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्कभाषा की जानकारी प्राप्त होगी

Unit 1

हिंदी भाषा

क. आधुनिक भारतीय भाषाओं का उद्भव और विकास

ख. हिंदी भाषा का परिचय एवं विकास

ग. राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क-भाषा के रूप में हिंदी

Unit 2

हिंदी साहित्य का इतिहास

क. हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल. मध्यकाल) सामान्य परिचय

ख. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

Unit 3

(क) कबीर - कबीर ग्रंथावली. संपा श्यामसुंदरदास. काशी नागरी प्रचारिणी सभा. उन्नीसवां संस्करण सं 2054 वि.

पृ. 23 दोहा 27, पृ 29. दोहा 20, पृ. 30 दोहा 3 और 4, पृ 35 दोहा 8. पृ 39 दोहा 9

(ख) भूषण - भूषण ग्रंथावली, संपा॰ आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली- 1998)

कवित्त संख्या - 409, 411, 412, 413

(ग) बिहारी बिहारी रत्नाकर - संपा . जगन्नाथ दास रत्नाकर बी.ए., प्रकाशन संस्थान. नई दिल्ली सं. 2006

दोहा 1, 10, 13, 32, 38

Unit 4

आधुनिक हिंदी कविता

जयशंकर प्रसाद - हिमाद्रि तुंग श्रृंग से

नागार्जुन - बादल को घिरते देखा है

रघुवीर सहाय - कला क्या है

References

रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास

हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका

संपा. डॉ. नगेंद्र - हिंदी साहित्य का इतिहास
हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - डॉ॰ रसाल सिंह

Additional Resources:

रामस्वरूप चतुर्वेदी - हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास

आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र- भूषण ग्रंथावली

Teaching Learning Process

व्याख्यान, समूहिक चर्चा, वीडियो आदि

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-ख) (BAPMILHB01)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी

Unit 1

हिंदी भाषा और साहित्य :

(क) आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय

(ख) हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

(ग) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) : संक्षिप्त परिचय

(घ) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) : संक्षिप्त परिचय

Unit 2

भक्तिकालीन कविता :

(क) कबीर : संपा. श्यामसुंदर दास, कबीर ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, उन्नीसवाँ संस्करण, सं. 2054 वि.
पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ ...
कस्तूरी कुंडलि बसै ...
यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान ...
सात समुंदर की मसि करूँ ...
साधु ऐसा चाहिए ...
सतगुरु हमसूँ रीझकर ...

(ख) तुलसी : 'रामचरितमानस' से केवट प्रसंग

Unit 3

रीतिकालीन कविता

(क) बिहारी :
बतरस लालच लाल की ...
या अनुरागी चित्त की ...
सटपटाति-सी ससिमुखी ...

(ख) घनानंद :
घनानन्द ग्रंथावली : संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ; वाणी वितान
सुजानहित पद : 1, 2, 3

Unit 4

आधुनिक कविता

सुभद्रा कुमारी चौहान : 'बालिका का परिचय'

निराला : तोड़ती पत्थर

References

रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास

हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका

संपा. डॉ. नगेंद्र - हिंदी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - डॉ॰ रसाल सिंह

Additional Resources:

रामस्वरूप चतुर्वेदी - हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास

विश्वनाथ त्रिपाठी - हिंदी साहित्य का सरल इतिहास

Teaching Learning Process

व्याख्यान सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-ग) (BAPMILHC01) Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी

Unit 1

इकाई - 1 :हिंदी भाषा और साहित्य

(क) हिंदी भाषा का सामान्य परिचय एवं विकास

(ख) हिंदी का भौगौलिक विस्तार

(ग) हिंदी कविता का विकास (आदिकाल ,मध्यकाल) : सामान्य विशेषताएँ

(घ) हिंदी कविता का विकास (आधुनिक काल) : सामान्य विशेषताएँ

Unit 2

इकाई -2 भक्तिकालीन हिंदी कविता

कबीर :

- गुरु गोविन्द दोऊ खड़े ...
- निंदक नियरे राखिये...
- माला फेरत जुग भया...
- पाहन पूजे हरि मिले ...

सूरदास :

- मैया मैं नहिं माखन खायौ...
- ऊधो मन न भए दस-बीस...

Unit 3

इकाई -3 : रीतिकालीन हिंदी कविता

(क) बिहारी :

- मेरी भव बाधा हरौ...
- कनक कनक ते सौ गुनी...
- थोड़े ही गुन रीझते...
- कहत नटत रीझत खिजत...

(ख) घनानंद :

- अति सूधो सनेह को मारग...
- रावरे रूप की रीति अनूप**...**

Unit 4

इकाई -4 :आधुनिक हिंदी कविता

- मैथिलीशरण गुप्त - नर हो न निराश करो...
- सुमित्रानंदन पन्त - आह! धरती कितना देती है...

References

1. कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. तुलसी काव्य मीमांसा - उदयभानु सिंह
3. हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - डॉ॰ रसाल सिंह
4. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास - विश्वनाथ त्रिपाठी

Additional Resources:

Additional Resources:

1. बिहारी की वाग्विभूति-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल

Teaching Learning Process

सीखने की इस प्रक्रिया में हिंदी साहित्य और हिंदी कविता को मजबूती प्रदान करना है। कालक्रम से विद्यार्थी युगबोध को ठीक से जान सकेंगे। छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे। हिंदी भाषा आज तेजी से वैश्वीकृत हो रही है। ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अतः शिक्षण में हिंदी कविता छात्रों के दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी ।प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है -

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

साहित्य, कविता, भाव सौंदर्य, शिल्प, इतिहास, विकास

हिंदी कथा साहित्य
(BAPHCC03)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी कथा साहित्य के उद्भव और विकास का परिचय

गद्य साहित्य विश्लेषण

Course Learning Outcomes

कथा- साहित्य के विकास का परिचय

प्रमुख उपन्यास और कहानियों का अध्ययन

Unit 1

इकाई -1 : उपन्यास :स्वरुप और संरचना

Unit 2

इकाई -2 :गबन – प्रेमचंद

Unit 3

इकाई- 3 : कहानी : स्वरूप और संरचना

Unit 4

कहानी :   परदा – यशपाल

रोज़ –अज्ञेय

दिल्ली में एक मौत – कमलेश्वर

दाज्यू – शेखर जोशी

हरी बिंदी – मुदुला गर्ग

References

प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा

हिंदी उपन्यास :एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र

कहानी : नई कहानी - नामवर सिंह

Additional Resources:

हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव

नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी

साहित्य से संवाद – गोपेश्वर सिंह

कुछ कहानियाँ :कुछ विचारक – विश्वनाथ त्रिपाठी

एक दुनिया एक समानान्तर – राजेन्द्र यादव

नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर

हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूह चर्चा

1 से 3 सप्ताह   -   इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह   -   इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह   -   इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह -   इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

कक्षा व्याख्यान , परिचर्चा

Keywords

कथा साहित्य, कहानी, उपन्यास, कथा-विन्यास, शिल्प, कथा-भाषा

हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल) (BAPHCC02) Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों को हिन्दी के मध्यकालीन और आधुनिक कवियों से परिचित कराना |

मुख्य कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना |

Course Learning Outcomes

कविताओं का अध्ययन-विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे |

साहित्य के सामाजिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी |

Unit 1

कबीर – कबीर- ग्रन्थावली ; माताप्रसाद गुप्त ;लोकभारती प्रकाशन ,1969 ई.

कबीर – साँच कौ अंग (1) भेष कौ अंग (5,9,12,) संम्रथाई कौ अंग (12)

सूरदास – सूरसागर संपा.डॉ धीरेन्द्र बर्मा ;साहित्य भवन 1990 ई.

गोकुल लीला ---पद संख्या 20,26,27,60,

गोस्वामी तुलसीदास – तुलसी ग्रन्थावली (दूसरा खण्ड);संपा.आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा,काशी)

दोहावली – छंद संख्या -277,355,401,412,490,

Unit 2

बिहारी - रीतिकाव्य संग्रह,जगदीश गुप्त, ग्रंथम, कानपुर,1983 ई.

छंद संख्या -9,13,18,21,58,66,67

घनानंद – रीतिकाव्य संग्रह ;जगदीश गुप्त ;साहित्य भवन प्रा.लि; इलाहबाद ; प्रथम संस्करण ;1961 ई.

छंद संख्या -3,14,16,18,23,24

Unit 3

मैथिलीशरण गुप्त – रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खण्ड ;साहित्य सदन झाँसी)

पद संख्या ---123 से 128

जयशंकर प्रसाद – बीती विभावरी जाग री !(लहर, लोकभारती प्रकाशन 2000)

हिमालय के आँगन में ....(स्कन्दगुप्त :भारती भण्डार,इलाहबाद,1973)

Unit 4

हरिवंश राय 'बच्चन'– जो बीत गयी .... (हरिवंश राय बच्चन :प्रतिनिधि कविता राजकमल पेपरबैक्स,संपा. - मोहन गुप्त)2009

नागार्जुन –उनको प्रणाम !(नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ ,संपा.नामवर सिंह ,राजकमल,पेपरबैक्स,2009)

भवानीप्रसाद मिश्र –गीत – फरोश (दूसरा सप्तक,भारतीय ज्ञानपीठ पकाशन ;द्वतीय संस्करण 1970 ई.)

References

कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी

तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह

बिहारी की वाग्विभूति–विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

सूरदास –ब्रजेश्वर शर्मा

सूरदास - रामचन्द्र शुक्ल

गोस्वामी तुलसीदास - रामचन्द्र शुक्ल

घनानन्द और स्वच्छंद काव्यधारा - मनोहर लाल गौड़

मैथिलीशरण गुप्त :व्यक्ति और काव्य – कमलकांत पाठक

प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण – रामधारी सिंह दिनकर

प्रसाद के काव्य – प्रेम शंकर

Additional Resources:

जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी

हरिवंशराय बच्चन – संपा.पुष्पा भारती

आधुनिक हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूह परिचर्चा, ऑनलाइन लिंक

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

मध्यकाल, आधुनिकता, आधुनिकतावाद, काव्य, विभिन्न बोलियाँ आदि

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-क) (BAPMILHA02) Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं का परिचय देना

विभिन्न कृतियों द्वारा आधुनिक साहित्य की समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिन्दी गद्य साहित्य के विकास का परिचय प्राप्त होगा

कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से साहित्यिक समझ विकसित होगी

Unit 1

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास : सामान्य परिचय

हिन्दी गद्य के विभिन्न रूपों का परिचय

Unit 2

प्रेमचंद - जुलूस

मोहन राकेश - मलबे का मालिक

मन्नू भण्डारी - मैं हार गई

Unit 3

रामचन्द्र शुक्ल - उत्साह

हजारी प्रसाद द्विवेदी - अशोक के फूल

विद्यानिवास मिश्र - रहिमन पानी राखिए

Unit 4

यात्रा वृतांत - चीड़ों पर चाँदनी - निर्मल वर्मा

व्यंग्य - भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई

नाटक - अंधेर नगरी - भारतेन्दु

References

हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
बलकृष्ण भट्ट के निबंध - सत्यप्रकाश मिश्र
महादेवी - दूधनाथ सिंह
कथेतर - माधव हाड़ा
गद्य की पहचान - अरुण प्रकाश

Additional Resources:

Additional Resources:

www.hindisamay.com

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

गद्य, कथा, शिल्प, संरचना

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-ख)
(BAPMILHB02)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं का परिचय देना

विभिन्न कृतियों द्वारा आधुनिक साहित्य की समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिन्दी गद्य साहित्य के विकास का परिचय प्राप्त होगा

कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से साहित्यिक समझ विकसित होगी

Unit 1

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास

हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय

Unit 2

प्रेमचंद – बूढ़ी काकी

चंद्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था

भीष्म साहनी - चीफ़ की दावत

Unit 3

बालमुकुन्द गुप्त – मेले का ऊंट

हरिशंकर परसाई – सदाचार का ताबीज़

धर्मवीर भारती - ठेले पर हिमालय

Unit 4

भारतेंदु – अंधेर-नगरी

महादेवी वर्मा – बिबिया

References

हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी

हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चन सिंह

Additional Resources:

निबंधो की दुनिया – विजयदेव नारायण साही ;निर्मला जैन /हरिमोहन शर्मा

छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य –विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

हिंदी रेखाचित्र –हरवंश लाल शर्मा

निबंधो की दुनिया – शिवपूजन सहाय ;निर्मला /अनिल राय

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

कथा, शिल्प, कथा-विन्यास, संरचना, कथा-भाषा

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-ग)
(BAPMILHC02)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं का परिचय देना

विभिन्न कृतियों द्वारा आधुनिक साहित्य की समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिन्दी गद्य साहित्य के विकास का परिचय प्राप्त होगा

कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से साहित्यिक समझ विकसित होगी

Unit 1

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास

हिंदी गद्य – रूपों का संक्षिप्त परिचय (कहानी, निबंध, नाटक, रेखाचित्र/संस्मरण)

Unit 2

प्रेमचंद - दो बैलों की कथा

अमरकान्त - बहादुर

Unit 3

बालकृष्ण भट्ट – साहित्य जनसमूह के ह्रदय का विकास है

अध्यापक पूर्ण सिंह - सच्ची वीरता

रामवृक्ष बेनीपुरी - गेहूँ बनाम गुलाब

Unit 4

महादेवी वर्मा – घीसा

विष्णु प्रभाकर – वापसी

विश्वनाथ त्रिपाठी – गंगा स्नान करने चलोगे?

References

हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी

हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चन सिंह

निबंधो की दुनिया – विजयदेव नारायण साहनी; निर्मला जैन /हरिमोहन शर्मा

छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

हिंदी रेखाचित्र – हरवंश लाल शर्मा

निबंधो की दुनिया – शिवपूजन सहाय ; निर्मला /अनिल राय

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

शिल्प, कथा, चरित्र, कथा-भाषा

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (BAPHCC01) Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास का परिचय प्राप्त होगा

साहित्य इतिहास के विभिन्न कालों की प्रमुख प्रवृत्तियों की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी

Course Learning Outcomes

इतिहास के प्रति आलोचनात्मक-विश्लेषणात्मक ज्ञान के द्वारा हिन्दी भाषा और साहित्य इतिहास को संतुलित रूप से प्रस्तुत किया जा सकेगा

Unit 1

इकाई 1

क हिन्दी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

1 हिन्दी भाषा का उद्भव

2. हिन्दी भाषा की बोलियाँ

3 हिन्दी भाषा का विकास : आदिकालीन हिन्दी , मध्यकालीन हिन्दी , आधुनिक हिन्दी

ख हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल

1 आदिकाल : कालविभाजन एवं नामकरण

2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रासो साहित्य, धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य)

Unit 2

इकाई 2

हिन्दी साहित्य का इतिहास : **भक्तिकाल**

1 भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास

2 भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य)

Unit 3

इकाई 3.

हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल

1◦ रीतिकाल : नामकरण विषयक विभिन्न मतों की समीक्षा

2◦ रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य)

Unit 4

इकाई 4.

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

1. मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ)

2.आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)

3 गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

References

हिंदी भाषा - धीरेन्द्र वर्मा

हिंदी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी
हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचन्द्र शुक्ल
हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र
हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - डॉ॰ रसाल सिंह

Additional Resources:

हिंदी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

इतिहास, भाषा और आलोचना से जुड़ी शब्दावली

कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश
(BAPHDSE05)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

कोशविज्ञान की समझ विकसित करना

उसके व्यावहारिक प्रयोग, निर्माण और तकनीकी प्रसार में रुचि विकसित करना

Course Learning Outcomes

कोश की समझ विकसित होगी

विभिन्न कोशों की जानकारी होगी
निर्माण, प्रसार और तकनीक की समझ विकसित होगी

Unit 1

कोश परिचय

*अर्थ और परिभाषा

*उपयोगिता और महत्त्व

*हिंदी कोश के उपयोग के नियम

(वर्णानुक्रम, स्वर की मात्राएँ,अनुस्वार एवं अनुनासिक , संयुक्त व्यंजन वर्ण)

Unit 2

कोश निर्माण

*शब्द संकलन एवं चयन

*प्रविष्टि (वर्तनी ,क्रम, व्याकरणिक कोटि और स्रोत)

*शव्द का अर्थ एवं विस्तार

*शब्द प्रयुक्तियाँ

Unit 3

कोश के प्रकार

*कोश :वर्गीकरण के आधार

*विषय के आधार पर(भूगोल कोश ,इतिहास कोश, मनोविज्ञान कोश, धर्म कोश आदि)

*भाषा के आधार पर(एकभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी)

*समांतर कोश

*पारिभाषिक शब्दावली

Unit 4

प्रमुख कोशों का परिचय

*हिंदी –हिंदी शब्दकोश –बृहत् हिंदी शब्दकोश;ज्ञानमंडल

*अंग्रेजी – हिंदी शब्दकोश –फादर कामिल बुल्के

*हिंदी -- अंग्रेजी शब्दकोश – भोलानाथ तिवारी और महेंद्र कुमार

*विश्वकोश – हिंदी शब्दसागर – नागरी प्रचारिणी सभा

*समांतर कोश – अरविंद कुमार .कुसुम कुमार;नेशनल बुक ट्रस्ट , नई दिल्ली

*ई – कोश

References

कोश विज्ञान -- भोलानाथ तिवारी

हिंदी कोश रचना,प्रकार और रूप –रामचंद्र वर्मा

हिंदी कोश साहित्य –अचलानंद जखमोला

हिंदी साहित्य कोश –धीरेन्द्र वर्मा

Additional Resources:

हिंदी शब्द सागर – नागरी प्रचारिणी सभा , प्रयाग

कोश विज्ञान :सिद्धांत एवं प्रयोग –राम आधार सिंह

कोश निर्माण : प्रविधि एवं प्रयोग –त्रिभुवननाथ शुक्ल

Lexicography : an introduction –howareJackson;routledge publication , London

भारत में कोश विज्ञान पर विशेष – गवेषणा ;अंक 93;जनवरी –मार्च ,2009

वेबलिंक

*www.archive.org(hindishabdsagar)

*www.britannika.org

*www.e.vikipedia.com

*www.encyclopedia.center.com

*www.culturepedia.com

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार- कबीर (BAPHDSE06)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

- हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल, निर्गुण काव्यधारा, संत काव्य-धारा से अवगत करवाना.
- कबीर-काव्य की प्रकृति और संरचना की समझ विकसित करना.
- पाठ्यक्रम में निर्धारित दोहों और पदों के माध्यम से जीवन और समाज के विभिन्न मुद्दों की समझ और सुचिंतित दिशा खोजने का प्रयास करना.

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी-

- भक्तिकाल की राजनीतिक-सामाजिक-सांस्कृतिक-धार्मिक स्थितियों को समझ पायेंगे.
- कबीर-काव्य की सामाजिक चेतना के माध्यम से विद्यार्थी में सामाजिक समरसता का विकास होगा.
- मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा.

Unit 1

- कबीर का साहित्यिक परिचय
- संतकाव्य की विशेषताएँ

Unit 2

- कबीर की साखियाँ (कुल 12)
- गुरुदेव कौ अंग- 3,7,11
- सुमिरण कौ अंग – 4,9,32
- विरह कौ अंग – 18,22
- चेतावणी कौ अंग – 13,14
- साध साषीभूत कौ अंग – 2
- उपदेस कौ अंग – 9

(कबीर – श्यामसुंदर दास)

Unit 3

- कबीर के पद (कुल 6)
- राग गौड़ी (पद सं. 3,6,89,111,114,117)

(कबीर-श्यामसुंदर दास)

Unit 4

- कबीर की सामाजिक चेतना
- कबीर की भक्ति भावना
- कबीर का रहस्यवाद
- कबीर की भाषा
- कबीर की दार्शनिक चेतना

References

- कबीर-श्यामसुंदर दास
- कबीर- हजारीप्रसाद द्विवेदी
- निर्गुण काव्य में नारी- अनिल राय

Additional Resources:

- भक्ति आन्दोलन के सामाजिक आधार-गोपेश्वर सिंह
- कबीर - विजयेन्द्र स्नातक
- भक्ति का सन्दर्भ-देवीशंकर अवस्थी
- कबीर की चिंता - बलदेव वंशी
- भक्ति काव्य का समाज दर्शन- प्रेमशंकर

Teaching Learning Process

- निर्धारित दोहों और पदों का विद्यार्थियों द्वारा वाचन.
- निर्धारित अंशों पर विचार-विमर्श करते हुए उनके निहितार्थ खोजना.
- दोहों और पदों के कथ्य और संवेदना के स्तर पर विभिन्न पक्षों को वर्तमान की स्थितियों के परिप्रेक्ष्य में देखना.
- कबीर की भाषा की प्रकृति और उसकी प्रभावकारिता को खोजना.
- दोहों और पदों की रिकार्डेड सी डी दिखाना/सुनाना.

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

- कबीर-काव्य में उपस्थित सामाजिक, दार्शनिक,मानवीय चेतना और भक्ति-भावना के विश्लेषण के आधार पर.
- महत्त्वपूर्ण अंशों की व्याख्या के आधार पर.
- कबीर-काव्य की भाषायी कौशल के विश्लेषण के आधार पर

Keywords

- प्रतीक
- उलटबासी
- रहस्यवाद
- माया
- राम
- कुंडलिनी
- इंगला-पिंगला-सुष्मुना
- सिद्ध-नाथ
- भक्ति
- ब्रह्म
- परमात्मा-जीवात्मा

विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार- तुलसीदास (BAPHDSE0601)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भक्तिकाल के महत्वपूर्ण कवि तुलसीदास के साहित्य का अध्ययन-विश्लेषण

Course Learning Outcomes

तुलसीदास के जीवन और साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन

Unit 1

- तुलसीदास का साहित्यिक परिचय
- रामभक्ति शाखा की विशेषता

Unit 2

रामचरितमानस

- (बालकाण्ड : दोहा 201 से 205 तक)
- (सुन्दरकाण्ड :दोहा 3 से 10 तक)
- (गीता प्रेस,गोरखपुर)

Unit 3

विनयपत्रिका

- (पद सं.100 से 110 तक)
- (गीता प्रेस ,गोरखपुर)

Unit 4

तुलसीदास की भक्ति भावना

- तुलसीदास की भाषा
- तुलसीदास की समन्वय चेतना
- “मानस” में राम – सुग्रीव मैत्री प्रसंग

References

- रामचरितमानस – तुलसीदास
- विनयपत्रिका --तुलसीदास
- लोकवादी तुलसीदास –विश्वनाथ त्रिपाठी
- गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- तुलसीदास काव्य में मीमांसा – उदयभानु सिंह

Additional Resources:

- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कविता वाचन

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

ब्रज और अवधी शब्दावली

विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार- निराला
(BAPHDSE0603)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

महाकवि निराला का जीवन परिचय और साहित्यिक अवदान

उनके परिवेश और कवि के संघर्ष का अध्ययन करना

Course Learning Outcomes

महाकवि निराला के साहित्य का अध्ययन विश्लेषण

कवि के परिवेश की समझ

Unit 1

निराला

छायावाद का सामान्य परिचय

निराला का साहित्यिक परिचय

Unit 2

सरोज स्मृति

वह तोडती पत्थर

भिक्षुक

कुकुरमुत्ता

Unit 3

लिली

सुकुल की बीवी

Unit 4

बिल्लेसुर बकरिहा

References

छायावाद – नामवर सिंह

निराला :आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह

लिली – सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

सुकुल की बीवी –सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

आधुनिक कविता यात्रा –रामस्वरूप चतुर्वेदी

Additional Resources:

आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ – नामवर सिंह

राग विराग – रामविलास शर्मा

निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कविता पाठ

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

साहित्यिक आलोचनात्मक शब्दावली

विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार- प्रेमचंद (BAPHDSE0602) Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद का परिचय, साहित्य और विश्लेषण

Course Learning Outcomes

प्रेमचंद के साहित्य के विविध आयामों का अध्ययन - विश्लेषण

Unit 1

प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय

प्रेमचंद की उपन्यास कला

प्रेमचंद की कहानी कला

Unit 2

सुभागी

बड़े घर की बेटी

सवा सेर गेहूँ

पंच परमेश्वर

सदगति

Unit 3

कर्मभूमि

Unit 4

`कर्बला` नाटक की मूल सवेदना

`कलम का सिपाही` अमृतराय (पृ.सं.299 से 305 तक)

References

प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा

प्रेमचंद एक विवेचन – इन्द्रनाथ मदान

मानसरोवर (भाग 1 और 2) – प्रेमचंद

कहानी नई कहानी –नामवर सिंह

कर्मभूमि - प्रेमचंद

प्रेमचंद अध्ययन की दिशाएँ - कमल किशोर गोयनका

कलम का सिपाही – अमृतराय

Additional Resources:

प्रेमचंद घर में – शिवरानी देवी

हिंदी गद्य: विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

हिंदी उपन्यास : अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र

सृजनशीलता का संकट – नित्यानंद तिवारी

ज़माने से दो - दो हाथ – नामवर सिंह

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कथा, साहित्य, उपन्यास, कहानी, साहित्यिकता

साहित्य चिंतन
(BAPHDSE04)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

साहित्य सिद्धान्तों का अध्ययन

साहित्यिक आलोचना के निर्माण में विभिन्न अवयवों का अध्ययन

साहित्य की व्याख्या के लिए जरूरी अंगों-उपांगों, साहित्यिक भेदों-उपभेदों का अध्ययन

Course Learning Outcomes

साहित्य और समाज की पाररस्परिक अर्थवत्ता और महत्ता के साथ-साथ आलोचनात्मक विवेक का निर्माण

साहित्य की व्याख्या के लिए शास्त्रीय सिद्धांतों का ज्ञान प्राप्त करना
विद्यार्थियों के सैद्धांतिक सोच औए समझ के स्तर को समृद्ध करते हुए साहित्य के साथ अन्य कलाओं की समझ विकसित करना

Unit 1

साहित्य का स्वरूप :

- विविध दृष्टिकोण
- साहित्य और समाज
- साहित्य की प्रयोजनीयता

Unit 2

रस :

- परिभाषा
- स्वरूप
- अंग
- भेद

Unit 3

रचनात्मक भूमिका और महत्व की दृष्टि से अध्ययन :

- भाषा सौष्ठव
- शब्दशक्ति
- अलंकार
- प्रतीक
- बिम्ब
- मिथक
- फैंटेसी

Unit 4

रचनात्मक भूमिका और महत्व की दृष्टि से अध्ययन :

- छंद
- लय

- तुक

References

साहित्य सहचर - हजारीप्रसाद द्विवेदी

साहित्य का स्वरूप - नित्यानन्द तिवारी
साहित्य सिद्धान्त - रामअवध द्विवेदी
काव्य के तत्व - देवेन्द्रनाथ शर्मा
काव्यभाषा पर तीन निबंध - रामस्वरूप चतुर्वेदी और सत्यप्रकाश मिश्र
काव्यास्वाद और साधारणीकरण - राजेंद्र गौतम

Additional Resources:

हिंदी साहित्य कोश - भाग 1, 2 - संपादक - धीरेन्द्र वर्मा

साहित्य सिद्धांत - रेने वेलेक और ऑस्टीन

Teaching Learning Process

कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन

समूह-परिचर्चाएँ
कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

सतत मूल्यांकन

असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
समूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords

साहित्य चिंतन, साहित्य सिद्धान्त, आलोचना, रस, छंद, अलंकार, शास्त्रीय आलोचना, साहित्य और समाज, कलाएं आदि ।

हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परंपरा
(BAPHDSE02)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भारत के मौखिक साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन

लोक-जीवन और संस्कृति की जानकारी
पर्यटन और संगीत-नृत्य आदि में आकर्षण विकसित होगा

Course Learning Outcomes

मौखिक साहित्य का परिचय

प्रमुख रूपों का परिचय
संस्कृति और लोक-जीवन व संस्कृति के विश्लेषण की क्षमता

Unit 1

मौखिक साहित्य की अवधारणा :सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध

साहित्य के विविध रूप – लोकगीत ,लोककथा ,लोकगाथाएँ ,लोकनाट्य ,लोकोक्तियाँ

पहेलियाँ - बुझौवल और मुहावरे हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (सामान्य परिचय) मौखिक और समाज

Unit 2

लोकगीत :वाचिक और मुद्रित

संस्कार गीत :सोहर , विवाह, मंगलगीत इत्यादि

सोहर भोजपुरी संस्कार गीत - श्री हंस कुमार तिवारी –बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् प्.8 ,गीत संख्या 4

सोहर अवधी –हिंदी प्रदेश कि लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय प्.110,111 साहित्य भवन इलाहावाद

विवाह – भोजपुरी – भारतीय लोकसाहित्य :परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा ,प्.116

ऋतूसंबंधी गीत :बारामासा ,होली.चैत ,कजरी इत्यादि

-निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के पृष्ठ

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य :शंकर लाल यादव पृ 231

हिंदी परदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 205

वाचिक कविता :भोजपुरी :पं विद्यानिवास मिश्र ,पृ 49

श्रमसंबंधी गीत : कटनी , जंतसर ,दँवनी, रोपनी , इत्यादि

कटनी के गीत , अवधी 2 गीत –हिंदी प्रदेश के लोकगीत: पं कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 134 135

जंतासरी :भोजपुरी – भारतीय लोकसाहित्य परंपरा और परिदृश्य –विद्या सिन्हा ,पृ 140,141

विविध गीत :घुघुती –कुमाउनी:कविता कौमुदी :ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी ,

गढ़वाली :कविता कौमुदी :ग्रामगीत ,पं . रामनरेश त्रिपाठी , पृ 801 -802

Unit 3

लोककथाएँ एवं लोकगाथाएं :

विधा के सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाएं एवं लोकगाथाएं आल्हा ,लोरिक , सारंग – सदावृक्ष , बिहुला

राजस्थानी लोककथा नं - 2 ,हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास ,पं . राहुल संकृत्यायन, पृ 461 -462

अवधी लोककथा नं . 2, हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास ,पं . राहुल संकृत्यायन, पृ 187 -188

Unit 4

लोकनाट्य :

विधा का परिचय ,विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, रामलीला ;रासलीला मालवा का नाच ;राजस्थान का ख्याल ,उत्तर प्रदेश की नौटंकी , भांड ,रासलीला ;बिहार –बिदेसिया ;हरियाणा सांग पाठ :संक्षिप्त पद्मावत सांग (लखमीचंद ग्रंथावली ,संपा पूरनचन्द्र शर्मा ,हरियाणा साहित्य अकादमी ,पंडवानी :तीजन बाई

References

हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य – शंकर लाल यादव

मीट माई पीपल – देवेन्द्र सत्यार्थी

मालवी लोक साहित्य का अध्ययन – श्याम परमार

रसमंजरी – सुचिता रामदीन, महात्मा गाँधी संस्थान,मॉरिशस

हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास, पं . राहुल संकृत्यायन ; सोलहवां भाग

वाचिक कविता :भोजपुरी -- विद्यानिवास मिश्र

भारतीय लोकसाहित्य : परंपरा और परिदृश्य – डॉ॰ विद्या सिन्हा

कविता कौमुदी :ग्रामगीत – पं .रामनरेश त्रिपाठी

Additional Resources:

हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन

मध्यप्रदेश लोक कला अकादमी की पत्रिका-- चौमासा

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुति को देखना

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

विभिन्न रूप, बोलियाँ, सांस्कृतिक शब्द

हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण
(BAPHDSE01)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी देना

विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की प्रकृति की जानकारी

Course Learning Outcomes

अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी

विभिन्न क्षेत्रों के अनुवाद का विश्लेषणात्मक अध्ययन

प्रयोगात्मक कार्य

Unit 1

भाषा और व्याकरण

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- व्याकरण की परिभाषा, महत्व, भाषा और व्याकरण का अंत:संबंध
- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएँ

Unit 2

शव्द परिचय

- शव्दों के भेद –तत्सम ,तत्भव, देशज, विदेशज (स्रोत के आधार पर)
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ (संज्ञा,सर्वनाम ,क्रिया आदि)   (केवल परिभाषा एवं भेद)
- शब्दगत अशुद्धियाँ
- शब्द – निर्माण – उपसर्ग ,प्रत्यय
- शब्द और पद में अंतर

Unit 3

व्याकरण व्यवहार

- लिंग , वचन , कारक ,
- संधि और समास

- मुहावरें एवं लोकोक्तियाँ
- अपठित गद्य

Unit 4

वाक्य परिचय

- वाक्य के अंग –उद्देश्य और विधेय
- वाक्य के भेद (रचना के आधार पर)
- वाक्यगत अशुद्धियाँ
- विराम चिन्ह

References

हिंदी भाषा साहित्य का इतिहास –धीरेन्द्र वर्मा

भारतीय पुरालिपि –डॉ.राजबलि पाण्डेय (लोकभारती प्रकाशन)

हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास - उदयनारायण तिवारी

हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक – डॉ हनुमानप्रसाद शुक्ला

लिपि की कहानी – गुणाकर मुले

भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

Additional Resources:

हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम –रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

हिंदी व्याकरण –कामताप्रसाद गुरु

हिंदी शब्दानुशासन – किशोरीदास वाजपेयी

A grammar lingusistics of the hindi language –kellog

Hindi linguistics – R.N.shrivastav

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, परियोजना कार्य

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

भाषा और अनुवाद की शब्दावली

हिंदी रंगमंच
(BAPHDSE03)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

रंगमंच का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना

हिन्दी रंगमंच के विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण विचारकों के विचारों को समझना

Course Learning Outcomes

रंगमंच के विकास के साथ - साथ विभिन्न शैलियों की जानकारी प्राप्त होगी

प्रमुख विचारकों की रंगदृष्टि से अवगत हो पाएंगे

पारंपरिक और आधुनिक रंगमंच की समझ विकसित होगी

भारतबोध विकसित होगा

Unit 1

पारंपरिक रंगमंच: रामलीला, रासलीला, नौटंकी, बिदेसिया, पांडवानी, माच, अंकिया, सांग, ख्याल (सामान्य परिचय)

Unit 2

हिंदी रंगमंच : पारसी थिएटर, भारतेन्दु युगीन रंगमंच, माधव प्रसाद शुक्लयुगीन रंगमंच, पृथ्वी थिएटर

रंग संस्थाएँ : रंग- प्रशिक्षण एवं गतिविधियाँ, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

रंगमंडल, भारत भवन, भोपाल; भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ

Unit 3

आधुनिक हिंदी रंगमंच की विविध शैलियाँ : शैलीबद्ध, यथार्थवादी, एब्सर्ड, लोक शैली

Unit 4

प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंगदृष्टि : झाड़ूराम देवांगन, राधेश्याम कथावाचक,

श्यामा नन्द जालान, सत्यदेव दुबे, भिखारी ठाकुर, ब. व. कारंत एवं इब्राहिम अल्काजी

References

परंपराशील नाट्य – जगदीशचन्द्र माथुर

पारसी हिंदी रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल

नाट्यसम्राट पृथ्वीराज कपूर – जानकी वल्लभ शास्त्री

आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल

समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच – नरेंद्र मोहन

पहला रंग- देवेंद्र राज अंकुर

आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच- नेमिचन्द्र जैन

लखमीचंद का काव्य वैभव- हरिचन्द्र बंधु

भिखारी ठाकुर: भोजपुरी के भारतेन्दु- भगवत प्रसाद द्विवेदी

Additional Resources:

कंटेम्प्रेरी इंडियन थिएटर: इंटरव्यू विद प्लेराइटर्स एण्ड डायरेक्टर्स – संगीत नाटक अकादमी

थिएटर्स आव इंडिपेंडेंस – अपर्णा भार्गव धारवाड़कर

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा, व्यावहारिक ज्ञान के लिए एन॰एस॰ डी॰ भ्रमण, ऑनलाइन विडियो

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

रंगमंच संबंधी शब्दावली

कम्प्यूटर और हिंदी भाषा
(BAPHSEC06)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

कंप्यूटर की वर्तमान स्थिति की समझ विकसित करना

कंप्यूटर पर हिंदी का व्यावहारिक ज्ञान विकसित करना

Course Learning Outcomes

कंप्यूटर पर हिंदी भाषा के प्रयोग पर बल

सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान विकसित होगा

Unit 1

कम्प्यूटर का विकास और हिंदी

*कम्प्यूटर का परिचय और विकास

*कम्प्यूटर में हिंदी का आरम्भ एवं विकास

*हिंदी के विविध फॉन्ट

*कम्प्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ

Unit 2

हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

*इंटरनेट पर हिंदी

*यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा

*हिंदी और वेब डिज़ाइनिंग

*हिंदी की वेबसाइट

Unit 3

हिंदी भाषा,कम्प्यूटर और गवर्नेंस

*राजभाषा हिंदी के प्रचार में कम्प्यूटर की भूमिका

*ई –गवर्नेंस, इंटरनेट

*हिंदी भाषा शिक्षण और ई-लर्निंग

*सरकारी और गैर – सरकारी संस्थाएं

Unit 4

हिंदी भाषा और कम्प्यूटर : विविध पक्ष

*इंटरनेट पर हिंदी पत्र – पत्रिकएँ

*एसएमएस की हिंदी

*न्यू मीडिया और हिंदी भाषा

*हिंदी के विभिन्न बोर्ड

References

कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा

कम्प्यूटर और हिंदी – हरिमोहन

हिंदी भाषा और कम्प्यूटर – संतोष गोयल

कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत - पी.के.शर्मा

Additional Resources:

मीडिया : भूमंडलीकरण और समाज संपा.संजय द्विवेदी

नए ज़माने की पत्रकारिता – सौरव शुक्ल

पत्रकारिता से मीडिया तक – मनोज कुमार

जनसंचार के संदर्भ – जवरीमल्ल पारख

Teaching Learning Process

व्याख्यान, समूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

संबंधित क्षेत्र की शब्दावली

कार्यालयी हिंदी
(BAPHSEC03)

Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

कार्यालयी भाषा की जानकारी देना

विभिन्न कार्यालयी आवश्यकताओं को चिन्हित करना

Course Learning Outcomes

कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा

विभिन्न कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप सीख सकेंगे
टिप्पण, प्रारूपण और संक्षेपण आवश्यकताओं की समझ विकसित होगी

Unit 1

कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य तथा क्षेत्र

अभिप्राय तथा उद्देश्य

कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र

सामान्य हिंदी तथा कार्यालयी हिंदी : संबंध तथा अंतर

कार्यालयी हिंदी स्थिति और संभावनाएँ

Unit 2

कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली

पदनाम तथा अनुभाग के नाम

मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वाले संबोधन,

निर्देश आदि

औपचारिक पदावलियाँ / अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा तैयार)

Unit 3

कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

सामान्य परिचय

कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएँ, निविदा)

आवेदन – लेखन

Unit 4

टिप्पण,प्रारूपण और संक्षेपण

टिप्पण का स्वरूप, विशेषताएँ और भाषा शैली

प्रारूपण के प्रकार, भाषा शैली, प्रारूपण की विधि

संक्षेपण के प्रकार, विशेषताएँ और संक्षेपण की विधि

उपर्युक्त सभी इकाइयों पर आधारित व्यावहारिक प्रश्न

References

-प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के

-प्रारूप शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि - राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव

-प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका –कैलाशनाथ पाण्डेय

-प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्ण कुमार गोस्वामी

Additional Resources:

-प्रयोजनमूलक हिंदी :सिद्वात और प्रयोग –दंगल झाल्टे

Teaching Learning Process

विभिन्न कार्यालयी पत्रों, दस्तावेज़ों के माध्यम से कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान देना

कक्षा व्याख्यान
सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह   -   इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह   -   इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह   -   इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह -   इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

सभी कार्यालयी शब्द

भाषा शिक्षण
(BAPHSEC02)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

विद्यार्थी भाषा शिक्षण की अवधारणा और महत्व से परिचित हो सकेंगे।

Course Learning Outcomes

विभिन्न भाषाई कौशलों के ज्ञानार्जन के उपरांत विद्यार्थी शिक्षण,मीडिया,अभिनय आदि क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का विकास कर सकेंगे। वे शिक्षण और प्रशिक्षण के क्षेत्र में नई पद्धतियों का अनुसंधान करने की दिशा में अग्रसर होंगे।

Unit 1

भाषा शिक्षण की अवधारणा

- भाषा शिक्षण: अभिप्राय और महत्त्व
- भाषा शिक्षण के उद्देश्य
- भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय सन्दर्भ
- शिक्षण, प्रशिक्षण,अर्जन, अधिगम

Unit 2

भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ

- प्रथम भाषा/ मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना
- द्वितीय भाषा तथा विदेशी भाषा की संकल्पना
- मातृभाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर
- विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

Unit 3

भाषा शिक्षण की विधियाँ और भाषिक कौशल

- भाषा कौशल- श्रवण,भाषण, वाचन, लेखन
- भाषा का कौशल के रूप में शिक्षण
- मातृभाषा शिक्षण पद्धतियाँ
- अन्य भाषा शिक्षण पद्धतियाँ

Unit 4

भाषा परीक्षण और मूल्याँकन

- भाषा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा मूल्यांकन की संकल्पना
- भाषा परीक्षण के प्रकार
- मूल्याँकन के प्रकार

Practical

विद्यार्थी शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थानों में जाकर मातृ भाषा और विदेशी भाषा शिक्षण की कक्षाओं का निरीक्षण कर सकते हैं और इसके प्रोजेक्ट तैयार कर सकते हैं।

References

- भाषा शिक्षण-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष- संपादक अमर बहादुर सिंह
- भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान- संपादक ब्रजेश्वर वर्मा
- हिन्दी भाषा शिक्षण-भोलानाथ तिवारी

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

शिक्षण, अर्जन, दक्षता, ज्ञान

भाषाई दक्षता
(BAPHSEC04)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों की भाषायी कुशलता का विकास।

व्यावसायिक एवं कार्यालयी हिंदी के सही प्रयोग का विकास।

विद्यार्थियों में द्रुतवाचन एवं मौन पठन का विकास।

Course Learning Outcomes

भाषायी दक्षता का विकास।

विद्यार्थियों की कार्य कुशलता में वृद्धि।

विषय के संक्षेपण एवं पल्लवन की कुशलता का विकास।

Unit 1

इकाई-1 : भाषायी दक्षता का विकास

- भाषायी दक्षता से तात्पर्य
- भाषायी दक्षता का महत्त्व
- श्रवण और वाचन
- पठन और लेखन

Unit 2

इकाई-2 : भाषायी दक्षता की निर्माण प्रक्रिया

- भाषायी संरचना की समझ और विकास
- भाषा-व्यवहार (भाषिक प्रयोग और शैली)
- भाषायी क्षमता को प्रभावित करने वाले तत्त्व (आयु, लिंग, शिक्षा, वर्ग)

Unit 3

इकाई-3 : भाषायी दक्षता के प्रायोगिक पक्ष

- भाषायी दक्षता की रणनीति : आकलन, लक्ष्य-निर्धारण, नियोजन के स्तर पर
- शब्द-सामर्थ्य : सामान्य एवं तकनीकी शब्द
- सुनना और बोलना – प्रभावी श्रवण के आयाम, शुद्ध उच्चारण, भाषण, एकालाप, वार्तालाप
- पढ़ना और लिखना – स्वाध्याय और उद्देश्य-केंद्रित पठन, सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन

Unit 4

इकाई-4 : भाषायी दक्षता का व्यावहारिक पक्ष

- किसी एक विषय पर – भाषण, वार्तालाप या टिपण्णी, समूह चर्चा
- किसी एक विषय का – भाव-विस्तार या पल्लवन
- द्रुतवाचन – किसी साहित्यिक कृति पर आधारित
- समीक्षा – पुस्तक-समीक्षा, फिल्म-समीक्षा

References

- भाषा शिक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- सृजनात्मक साहित्य – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- व्यावसायिक हिंदी – दिलीप सिंह

· प्रयोजनमूलक हिंदी – दंगल झाल्टे

· आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अनुज तिवारी

Additional Resources:

· व्यावहारिक हिंदी एवं प्रयोग – डॉ. ओम प्रकाश

· जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा – जगदीश्वर चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान , सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

रचनात्मक लेखन
(BAPHSEC01)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

- विद्यार्थियों के मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना.
- उनमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास करना.
- साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मक शैली का परिचय कराते हुए लेखन की और प्रेरित करना.
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन की प्रवृत्ति को विकसित करना.

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थियों में -

- मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित होने में मदद मिलेगी.
- उनमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास हो सकेगा.
- साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मक शैली का परिचय होगा जिससे वे स्वयं भी इन विधाओं में लेखन की अग्रसर हो सकेंगे.
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन की ओर भी वे अग्रसर होंगे.

Unit 1

रचनात्मक लेखन: अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत

- भाव एवं विचार की रचना में अभिव्यक्ति की प्रक्रिया
- अभिव्यक्ति के विविध क्षेत्र: साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, भाषण, लोकप्रिय संस्कृति
- लेखन के विविध रूप: मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य, बाल-लेखन

Unit 2

रचनात्मक लेखन: आधार और विश्लेषण

- अर्थ निर्मिति के आधार: शब्द और अर्थ की मीमांसा, शब्द के पुराने-नए प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि
- भाषा की भंगिमाएँ: औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक
- भाषिक सन्दर्भ: क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष
- रचना-सौष्ठव:शब्द-शक्ति,प्रतीक, बिम्ब, अलंकार, वक्रता

Unit 3

विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

- कविता: संवेदना, भाषिक सौष्ठव, छंदबद्ध-छन्दमुक्त, लय, गति,तुक
- कथा-साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश,कथ्य और भाषा
- नाट्य-साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश, कथ्य,रंगमंच और नाट्य-भाषा
- विविध गद्य विधाएँ: निबंध, संस्मरण, आत्मकथा, व्यंग्य, रिपोर्ताज, यात्रा वृतांत
- बच्चों के लिए लेखन

- नोट: उपरोक्त का परिचय देते हुए इनका अभ्यास भी करवाया जाए.

Unit 4

सूचना-माध्यमों के लिए लेखन

- प्रिंट माध्यम के लिए लेखन : फीचर, यात्रा-वृतांत, साक्षात्कार, फिल्म-पुस्तक-नाटक समीक्षा, विज्ञापन
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के लिए लेखन : विज्ञापन, पटकथा, संवाद
- नोट: उपरोक्त का परिचय देते हुए इनका अभ्यास भी करवाया जाए.

References

1. साहित्य चिंतन: रचनात्मक आयाम- रघुवंश
2. शैली - रामचंद्र मिश्र
3. रचनात्मक लेखन- सं रमेश गौतम
4. कविता क्या है - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. कथा-पटकथा - मन्नू भंडारी
6. पटकथा लेखन- मनोहर श्याम जोशी

Additional Resources:

1. कला की जरूरत -अर्न्स्ट फिशर, अनुवादक - रमेश उपाध्याय
2. साहित्य का सौंदर्यशास्त्र- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
3. कविता-रचना प्रक्रिया - कुमार विमल

Teaching Learning Process

- पाठ्यक्रम में निर्धारित विभिन्न रचनात्मक अभिव्यक्तियों से विद्यार्थी का परिचय करवाना.
- विद्यार्थी को उक्त अभिव्यक्तियों के अभ्यास के लिए प्रेरित करना.
- विभिन्न साहित्यकारों के साहित्य का पठन-पाठन करने के लिए प्रेरित करना.
- भाषायी कौशल के विकास के लिए कार्यशालाएँ आयोजित करना.

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

विज्ञापन और हिंदी भाषा
(BAPHSEC05)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

I. विद्यार्थियों को विज्ञापन के विस्तृत क्षेत्र से परिचित कराना

II. विज्ञापन भाषा के स्वरूप और विशेषताओं का बोध कराना

III. विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन कॉपी लेखन का अभ्यास कराना

Course Learning Outcomes

I. विज्ञापन लेखन की दृष्टि से भाषा-दक्षता

II. विज्ञापन निर्माण की पूरी प्रक्रिया को समझना

III. विज्ञापन बाज़ार में विभिन्न माध्यमों की पहुँच और प्रसार क्षमता से परिचित होना

IV. कॉपी लेखन आदि कार्यों के लिए तैयार होना

Unit 1

इकाई 1 : विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा

· विज्ञापन : अर्थ, परिभाषा और महत्व

· विज्ञापन के उद्देश्य: आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक

· विज्ञापन के प्रमुख प्रकार

· विज्ञापन के प्रभाव

Unit 2

इकाई 2 : विज्ञापन माध्यम

· विज्ञापन माध्यम चयन के आधार

· प्रिंट, रेडियो और टेलीविज़न

· डिजिटल विज्ञापन तथा आउट ऑफ़ होम विज्ञापन—होर्डिंग,पोस्टर, बैनर, साइन बोर्ड,

सोशल मीडिया विज्ञापन--फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब, सोशल नेटवर्किंग साइट्स

· अन्य माध्यम

Unit 3

इकाई 3 : विज्ञापन की भाषा

· विज्ञापन की भाषा का स्वरूप एवं विशेषताएँ

· विज्ञापन की भाषा-शैली के विभिन्न पक्ष

· विज्ञापन स्लोगन एवं पंच लाइन

· प्रमुख हिंदी विज्ञापनों की भाषा का विश्लेषण

Unit 4

इकाई 4 : विज्ञापन:कॉपी लेखन

· विज्ञापन कॉपी के अंग

- प्रिंट माध्यम: लेआउट के विविध प्रारूप

· वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन-निर्माण

· रेडियो जिंगल लेखन

· टेलीविज़न विज्ञापन के लिए कॉपी लेखन

References

सहायक ग्रन्थ

Ø जनसंपर्क, प्रचार और विज्ञापन - विजय कुलश्रेष्ठ

Ø जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी

Ø डिजिटल युग में विज्ञापन - सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी

Ø ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी

Additional Resources:

Ø मीडिया की भाषा - वसुधा गाडगिल

Ø विज्ञापन की दुनिया - कुमुद शर्मा

Ø विज्ञापन डॉट कॉम - रेखा सेठी

Ø विज्ञापन: भाषा और संरचना - रेखा सेठी

Ø विज्ञापन और ब्रांड – संजय सिंह बघेल

Ø मीडिया और बाज़ार – वर्तिका नंदा

Ø भारतीय मीडिया व्यवसाय – वनिता कोहली खांडेकर

Ø संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य बोध - कृष्ण कुमार रतू

Ø Jethwaney, J. N., & Jain, S. (2012). *Advertising management.* Oxford: Oxford University Press.

Ø Chunawalla. (2000). *Advertising theory and practice*. Mumbai: Himalaya Publishing House.

Ø Martin, P., & Erickson, T. (2011). *Social media marketing*. New Delhi: Global Vision Publishing House.

वेबलिंक

- www.adbrands.net
- www.afaqs.com
- www.adgully.com
- www.cnbc.com
- www.exchange4media.com

Teaching Learning Process

1) कक्षाओं में पठन-पाठन पद्धति

2) परिचर्चाएँ

3) समूह में प्रोजेक्ट प्रस्तुति

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

ब्रांड, कॉपी, स्लोगन, डिजिटल, सोशल मीडिया

अनुवाद : व्यवहार और सिद्धांत
(BAPHGE01)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

अनुवाद के व्यवहार और सिद्धान्त की समझ विकसित करना

विभिन्न क्षेत्रों की मांगों के अनुरूप अनुवाद दक्षता निर्मित करना

Course Learning Outcomes

अनुवाद के विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकता को समझने में मदद मिलेगी

सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान निर्मित होगा

Unit 1

1. भारत का भाषाई परिदृश्य और अनुवाद
2. अनुवाद का स्वरुप और प्रकार
3. अनुवाद के उपकरण - कोश -ग्रन्थ
4. अनुवाद प्रक्रिया

Unit 2

1. प्रयुक्ति की अवधारण ; विविध प्रयुक्ति क्षेत्र
2. विविध प्रयुक्ति क्षेत्रों से सम्बंधित सामग्री के अनुवाद की सामान्य समस्याएँ
3. विभिन्न प्रयुक्ति क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली
4. अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

Unit 3

अनुवाद व्यवहार - 1 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)

1. सर्जनात्मक साहित्य
2. ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी साहित्य
3. सामाजिक विज्ञान

Unit 4

अनुवाद व्यवहार - 2 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)

1. जनसंचार
2. प्रशासनिक अनुवाद

3. बैंकिंग अनुवाद
4. विधि अनुवाद

Practical

References

1. अनुवाद के भाषिक सिद्धांत - कैटफोर्ड, जे सी सिद्धांत (अनुवाद - रविशंकर दीक्षित) मध्य प्रदेश ग्रन्थ अकादेमी, भोपाल
2. अनुवाद के सिद्धांत - रेड्डी, आर.आर. (अनुवाद- डा. जे. एल. रेड्डी) साहित्य अकादेमी, मंडी हाउस, नयी दिल्ली
3. अनुवाद-सिद्धांत और प्रयोग - गोपीनाथन, जी. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Additional Resources:

1. अनुवाद विज्ञान-सिद्धान्त और अनुप्रयोग - संपादक- डा. नगेन्द्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा - सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली.

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

अनुवाद, मूल भाषा, संस्कृति, समाज, सम्प्रेषण, अर्थ दर्शन, भाव साम्यता

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य (BAPHGE03)

Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

अस्मिताओं का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान

प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनात्मक विश्लेषण

Course Learning Outcomes

अस्मितामूलक विमर्श का ज्ञान

विभिन्न अस्मिताओं की समस्याओं और उसके परिवेश को समझना

प्रमुख कृतियों का परिचय

Unit 1

इकाई - 1 : विमर्शों की सैद्धांतिकी

क) दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और अम्बेडकर

ख) स्त्री विमर्श : अवधारणाएं और आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय)

दलित स्त्रीवाद, लिंगभेद, पितृसत्ता

ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन

जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल

Unit 2

विमर्शमूलक कथा साहित्य :

(1) ओमप्रकाश बाल्मीकि - सलाम

(2) जयप्रकाश कर्दम - मोहरे (तलाश : कहानी संग्रह से)

(3) हरिराम मीणा - धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या :158-167

Unit 3

विमर्शमूलक कविता :

क) दलित कविता :

(1) हीरा डोम (अछूत की शिकायत)

(2) माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा)

ख) स्त्री कविता :

(1)अनामिका (स्त्रियाँ)

(2) निर्मला पुतुल (क्या तुम जानते हो)

Unit 4

इकाई - 4 विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ :

1 प्रभा खेतान, पृष्ठ 28-42 : अन्या से अनन्या तक

2 तुलसीराम : मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारम्भ पृष्ठ संख्या 125 से 135)

3 श्यौराज सिंह 'बेचैन'   - मेरा बचपन मेरे कंधों पर (दिल्ली : बड़ी दुनिया में छोटे कदम, यहाँ एक मोची रहता था)

References

अम्बेडकर रचनावली - भाग-1

मूक नायक, बहिष्कृत भारत - अम्बेडकर (अनुवादक श्यौराज सिंह 'बेचैन')

गुलामगिरी- ज्योतिबा फुले

ज्योतिबा फुले : सामाजिक क्रांति के अग्रदूत - डॉ नामदेव

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - शरण कुमार निम्बाले

·दलित आंदोलन का इतिहास - मोहनदास नैमिशराय

हिंदी दलित कथा साहित्य : अवधारणा एवं विधाएँ - रजत रानी 'मीनू'

अस्मितामूलक विमर्श - रजत रानी मीनू

स्त्री उपेक्षिता - सिमोन द बोउवा

उपनिवेश में स्त्री - प्रभा खेतान

औरत होने की सजा -अरविंद जैन

नारीवादी राजनीति -सं. जिनी निवेदिता

स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा - सुधा सिंह

स्त्री स्वर : अतीत और वर्तमान - डॉ नीलम, डॉ नामदेव

आदिवासी अस्मिता का संकट - रमणिका गुप्ता

सामाजिक न्याय और दलित साहित्य- श्यौराज सिंह 'बेचैन' (स॰)

Additional Resources:

दलित दस्तक

सम्यक भारत

अंबेडकर इन इंडिया
बहुरी नहीं आवना
नेशनल दस्तक (वेब लिंक)

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म और डॉक्यूमेंट्री

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

अस्मितामूलक विमर्श से जुड़े तथ्य

जनपदीय साहित्य
(BAPHGE02)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

बोलियों और जनसंस्कृति का परिचय देना

जनपदीय जीवनशैली और साहित्य को अध्ययन की मुख्यधारा से जोड़ना

Course Learning Outcomes

लोक संस्कृति की समझ विकसित होगी

पर्यटन, साहित्य और बोलियों की जानकारी प्राप्त होगी
लोकसाहित्य के अध्ययन विश्लेषण की जानकारी प्राप्त होगी

Unit 1

जनपदीय साहित्य

जनपदीय साहित्य की अवधारणा, जनपदीय साहित्य के विविध रूप – लोकगीत , लोककथा , लोकगाथाएं , लोकनाट्य , लोकोक्तियाँ , पहेलियाँ – बुझौवल और मुहावरे, हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (सामान्य परिचय), मौखिक साहित्य और समाज |

Unit 2

लोकगीत :वाचिक और मुद्रित

संस्कार गीत :सोहर , विवाह, मंगलगीत इत्यादि

सोहर भोजपुरी :भोजपुरी संस्कार गीत - श्री हंस कुमार तिवारी –बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् प्.8 ,गीत संख्या 4

सोहर अवधी –हिंदी प्रदेश की लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय प्.110,111, साहित्य भवन इलाहावाद

विवाह – भोजपुरी – भारतीय लोकसाहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा ,प्.116

ऋतुसंबंधी गीत :बारामासा, होली, चैत, कजरी इत्यादि !

-निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के पृष्ट

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव पृ 231

हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 205

वाचिक कविता :भोजपुरी :पं विद्यानिवास मिश्र ,पृ 51,49

श्रमसंबंधी गीत : कटनी , जंतसर ,दँवनी, रोपनी , इत्यादि

कटनी के गीत, अवधी 2 गीत –हिंदी प्रदेश के लोकगीत: पं कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 134 135

जंतासरी : भोजपुरी – भारतीय लोकसाहित्य परंपरा और परिदृश्य –विद्या सिन्हा ,पृ 140,141

विविध गीत :घुघुती – कुमाउनी:कविता कौमुदी :ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी

गढ़वाली :कविता कौमुदी :ग्रामगीत ,पं . रामनरेश त्रिपाठी , पृ 801 -802

Unit 3

लोककथाएँ एवं लोकगाथाएं : सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ - आल्हा ,लोरिक ,सारंग सदावृक्ष , बिहुला

राजस्थानी लोककथा नं.2,हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन पृ 10 , 11 (सोलहवां भाग)

मालवी लोक कथा नं.2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन पृ 461 -462

अवधी लोककथा नं. 2 ,हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन पृ 187 -188

Unit 4

(क)पाठ : संक्षिप्त लक्कड़हारा सांग लखमीचंद ग्रन्थावली

संपा प्रो पूरनचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी , चंडीगढ़

(ख) बिदेसिया : भिखारी ठाकुर कृत लोकनाट्य

बिदेसिया, कठपुतली, सांग,(हरियाणा) भांड , ख्याल (राजस्थान), माच (मालवा)

References

हिंदी प्रदेश के लोकगीत –कृष्णदेव उपाध्याय

हरियाणा प्रदेश के लोकसाहित्य - शंकर लाल यादव

मीट माई पीपल – देवेन्द्र सत्यार्थी

मालवी लोकसाहित्य का अध्ययन– श्याम परमार

रसमंजरी - पं.विद्यानिवास मिश्र

हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास , पं॰ राहुल संकृत्यायन(सोलहवां भाग)

वाचिक साहित्य :भोजपुरी –पं.विद्यानिवास मिश्र

भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा

कविता कौमुदी :ग्रामगीत –रामनरेश त्रिपाठी

लखमीचंद का काव्य – वैभव –हरिचंद बंधु

Additional Resources:

सूत्रधार –संजीव

हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन-हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन

मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

हिंदी का जनपदीय साहित्य – विद्यानिवास मिश्र

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा, ऑनलाइन वीडियो

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

Keywords

सभी नाम और शैलियाँ, जनपद, संस्कृति-समाज, बोलियाँ

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन
(BAPHGE04)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

सिनेमा के निर्माण और उपभोग या आलोचना की व्यावहारिक समझ विकसित करना

हिन्दी सिनेमा के विकास का अध्ययन
कुछ प्रमुख फिल्मों के माध्यम से सिनेमा में आ रहे बदलाव को समझना

Course Learning Outcomes

सिनेमा की व्यावहारिक और आलोचनात्मक समझ विकसित होगी

सिनेमा के विकास के माध्यम से भारत के मनोरंजन जगत मे आ रहे बदलाव को समझ सकेंगे

Unit 1

कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धांतिकी

Unit 2

हिंदी सिनेमा : उदभव और विकास

Unit 3

सिनेमा में कैमरे की भूमिका

Unit 4

नयी तकनीकी और सिनेमा – संभावनाएं और चुनौतियाँ

(संदर्भ – मुगले आज़म, मदर इंडिया, दीवार , पीके)

References

हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चडढ़ा

सिनेमा, नया सिनेमा - ब्रजेश्वर मदान

सिनेमा : कल,आज और कल – विनोद भारद्वाज

Additional Resources:

हिंदी का मौखिक परिदृश्य – करुणाशंकर उपाध्याय

हिंदी का मौखिक परिदृश्य – कौशल कुमार गोस्वामी

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो क्लिप का अध्ययन और उसे बनाना, कैमरे का कक्षा के बाहर अध्ययन

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

सिनेमाई शब्दावली

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी भाषा और संप्रेषण (BAPAECC01) Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

- भाषिक सम्प्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय
- विभिन्न माध्यमों की जानकारी
- प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व
- रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना

Course Learning Outcomes

स्नातक स्तर के छात्रों को भाषायी संप्रेषण की समझ और संभाषण से संबंधित विभिन्न पक्षों से अवगत करवाया जाएगा।
भाषा के शुद्ध उच्चारण , सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे ।
भाषा की समृद्धि के लिए वार्तालाप , भाषण , उसके पल्लवन , पुस्तक-समीक्षा, फिल्म-समीक्षा का भी अध्ययन कर सकेंगे ।

Unit 1

इकाई -1 - भाषिक सम्प्रेषण : स्वरूप और सिद्धान्त

1 - सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्व
2- सम्प्रेषण की प्रक्रिया
3- सम्प्रेषण के विभिन्न मॉडल
4- अभाषिक संप्रेषण

Unit 2

इकाई - 2 सम्प्रेषण के प्रकार

1. मौखिक और लिखित
2. वैयक्तिक, सामाजिक और व्यावसायिक
3. भ्रामक सम्प्रेषण (miscommunication) और प्रभावी संप्रेषण में अंतर
4. सम्प्रेषण में चुनौतियाँ एवं संभावनाएं

Unit 3

इकाई - 3 सम्प्रेषण के माध्यम

1. एकालाप
2. संवाद
3. सामूहिक चर्चा
4. जन संचार माध्यमों पर संप्रेषण : कंप्यूटर-इंटरनेट, ई-मेल, ब्लॉग, वेबसाइट

Unit 4

इकाई - 4   व्यक्तित्व और प्रभावी भाषिक सम्प्रेषण

1. व्यक्तित्व और भाषिक अस्मिता - आयु, लिंग, वर्ग, शिक्षा
2. प्रभावी सम्प्रेषण के गुण - शुद्ध उच्चारण, भाषिक संरचना की समझ, भाषा व्यवहार, शब्द सामर्थ्य, शैली -सुर-लहर, अनुतान, बलाघात
3. प्रभावी व्यक्तित्व के निर्माण में सम्प्रेषण की भूमिका

References

- हिन्दी का सामाजिक संदर्भ- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- संप्रेषण-परक व्याकरणः सिद्धांत और स्वरूप-सुरेश कुमार
- प्रयोग और प्रयोग- वी.आर.जगन्नाथ
- भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका-विद्यानिवास मिश्र

Additional Resources:

- कुछ पूर्वग्रह-अशोक वाजपेयी
- भाषाई अस्मिता और हिन्दी-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- रचना का सरोकार-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- संप्रेषणः चिंतन और दक्षता- डॉ.मंजु मुकुल

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Revised

demic Council
d:19.07.2016
ution No.-10
di-I.1

हिंदी-विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

अनिवार्य हिंदी परीक्षा
Compulsory Hindi in Test
(स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए)

चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति
(जुलाई, 2016 से आरंभ)

परीक्षा-योजना तथा पाठ्यक्रम

सेमेस्टर-I	:	जुलाई 2016 - दिसंबर, 2016
सेमेस्टर- II	:	जंनवरी 2017 - मई, 2017

स्नातक समिति की बैठक में दिनांक 13 अक्तूबर, 2015 को स्वीकृत एवं संस्तुत।

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी पाठ्यक्रम के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए एक प्रश्न पत्र 'अनिवार्य हिंदी परीक्षा' का रखा गया है। इस संबंध में अधिनियम V 2 (ए) तथा परिशिष्ट ||| को देखा जा सकता है। यह पाठ्यक्रम नॉन क्रेडिट किन्तु क्वालिफाइंग पाठ्यक्रम है। उन सभी भारतीय विद्यार्थियों को यह पाठ्यक्रम अनिवार्यत: उत्तीर्ण करना होगा जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है। ऐसे अभ्यर्थियों को इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण किए बिना स्नातक स्तर की उपाधि नहीं दी जाएगी। इस पाठ्यक्रम में शिक्षण व्यवस्था 4+1 पीरियड प्रतिसप्ताह के अनुसार होगी। 4 कक्षाएँ एवं 1 ट्यूटोरियल रहेगा। पाठ्यक्रम सेमेस्टर सिस्टम के अनुसार होगा। पूरा पाठ्यक्रम दो सेमेस्टर में पढ़ाया जाएगा।

यह अनिवार्यता उपयोगिता पर आधारित है। हिंदी भारत की राजभाषा के साथ-साथ संपर्क भाषा भी है। उसकी आवश्यकता जीवन के सभी संदर्भों में होती है। यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा जो भारतीय नागरिक हैं और जिन्होंने हिंदी में आठवीं कक्षा तक की भी योग्यता अर्जित नहीं की है। इसका लक्ष्य विद्याथियों को कम से कम उस स्तर के हिंदी ज्ञान से सम्पन्न करवाना है, जिसके आधार पर वे अपने व्यावहारिक जीवन में हिंदी भाषा का सफलतापूर्वक प्रयोग कर सकें। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पाठ्यक्रम का बल हिंदी भाषा शिक्षण पर अधिक है। पाठ्यक्रम को रोचक बनाने के लिए कुछ ऐसी रचनाओं का भी समावेश किया गया है, जिनसे विद्यार्थियों को हिंदी भाषा सीखने में सुगमता हो।

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

Compulsory Test in Hindi (C.T.H.) पाठ्यक्रम
अनिवार्य हिंदी परीक्षा

सेमेस्टर -1
<u>वार्तालाप तथा देवनागरी लिपि</u>

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

(क) वार्तालाप (प्रारंभिक स्तर) 20

1. स्वपरिचय
2. मेरा परिवार
3. मेरा दैनिक कार्यक्रम
4. दुकान में (सब्जी/फल की दुकान)
5. टेलीफोन/मोबाइल पर बातचीत
6. डाकघर/बैंक
7. रेलवे स्टेशन/मैट्रो/यातायात के अन्य साधन
8. अस्पताल
9. चिड़ियाघर
10. भारतीय भोजन
11. हिंदी सिनेमा
12. प्रादेशिक पर्व
13. भारतीय मौसम
14. छात्रावास के अनुभव
15. महाविद्यालय का समारोह

(ख) देवनागरी लिपि : विकास एवं विशेषताएँ 30

हिंदी वर्ण-माला- स्वर, व्यंजन
संयुक्त व्यंजन एवं व्यंजन गुच्छ
अनुस्वार, अनुनासिक
विदेशी ध्वनियों का देवनागरी लिप्यंतरण
हिंदी विराम चिह्न

(ग) हिंदी का व्यावहारिक व्याकरण (प्रारंभिक स्तर) 30

हिंदी संज्ञा शब्द- लिंग ज्ञान, वचन ज्ञान
सर्वनाम
विशेषण
क्रिया- सामान्य क्रिया, संयुक्त क्रिया,
आज्ञार्थक, इच्छार्थक, प्रेरणार्थक
क्रियाएँ, क्रियाओं का काल संबंधी ज्ञान
कारक चिह्न - संज्ञा एवं सर्वनाम के कारकीय रूप

(घ) हिंदी की आधारभूत शब्दावली (<u>संलग्नक-1</u>) 100 शब्दों की सूची-अंग्रेजी पर्याय सहित 20

सहायक ग्रंथ:

- देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- Basic Hindi Course for Foreigners, Central Hindi Institute, Agra, U.P
- Basic Hindi Vocabulary, Ministry of Education, Govt. of India.
- English-Hindi Conversational Guide & Hindi-English Conversational Guide, Central Hindi Directorate, New Delhi
- Fairbanks, G & Mishra, B.G. : Spoken and written Hindi Cornell University Press, New York
- Fairbanks, G & Pandit, P.B. : A Spoken approach, Deccan College, Pune
- McGregor, R.S. : Exercises in spoken Hindi, Oxford University Press, Oxford , England.
- Verma, Vimlesh Kanti : Learner's Hindi-English Dictionary, Dreamland Publication, New Delhi
- स्वयं हिंदी सीखें : V.R. Jagganathan

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

सेमेस्टर -2

व्यावहारिक व्याकरण तथा रचना

समय- 3 घंटे **पूर्णांक-100**

(क) हिंदी का व्यावहारिक व्याकरण (प्रारंभिक स्तर) 20

1. क्रियाविशेषण
2. योजक
3. विस्मयादिबोधक
4. शब्द विचार एवं शब्द शुद्धि : उपसर्ग एवं प्रत्यय ज्ञान, पर्याय, विलोम, श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द
5. वाक्य विन्यास- पदक्रम एवं पद अन्विति
6. मुहावरों एवं लोकोक्तियों का अर्थ तथा प्रयोग (कुल 50 सूची संलग्नक-2)

(ख) व्यावहारिक हिंदी 30

अनुच्छेद लेखन 100 से 150 शब्द में (पर्व-उत्सव, संस्कृति, दर्शनीय स्थल, ऋतुएँ, यात्रा वृतान्त, भारतीय कलाएँ आदि)

पत्र लेखन (अनौपचारिक एवं औपचारिक), स्ववृत्त लेखन

व्यावहारिक अनुवाद अंग्रेजी-हिंदी, हिंदी-अंग्रेजी

पारिभाषिक शब्दों के अनुवाद कुल 500 (25 अंग्रेजी से हिंदी और 25 हिंदी से अंग्रेजी) (संलग्नक-3)

संक्षिप्त अनुच्छेदों का अनुवाद

(ग) पाठ-संकलन 40

1. पुष्प की अभिलाषा (काव्य) - माखनलाल चतुर्वेदी
2. कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती (काव्य) - हरिवंशराय बच्चन
3. हार की जीत (कहानी) - सुदर्शन
4. बूढ़ी काकी (कहानी) - प्रेमचंद

(घ) फिल्म-अध्ययन 10

1. लगान (फिल्म)
2. मैरी कॉम (फिल्म)

(फिल्म के आधार पर कहानी, चरित्र, उद्देश्य और अभिनय पर संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे)

सहायक ग्रंथ:

- Bahri, Hardeo; Learner's Hindi-English Dictionary, Rajpal & Sons, Kashmiri Gate, Delhi.
- Kellog, S.H. : A Grammer of Hindi Language, Kegan Paul, Trench Turbner & Co.Ltd., England
- Lutze, Lothar & Singh Bahadur, Hindi as a Second Languge, Patterns and Grammatical Notes, Radha Krishna Prakashan, Delhi.
- McGregor, R.S. : Outline of Hindi Grammar, Oxford University Press, Oxford , England.
- Sharma Aryendra : A basic Grammar of Modern Hindi, Central Hindi Directorate, R.K.Puram, New Delhi.

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

हरिमोहन शर्मा/HARI MOHAN SHARMA
प्रो. एवं अध्यक्ष/Prof. and Head
हिन्दी विभाग/Department of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय/University of Delhi
दिल्ली-110007/Delhi-110007

संलग्नक : 1

हिंदी की आधारभूत शब्दावली (100 शब्द)

फल	Fruits	सब्ज़ियाँ	Vegetables
अंगूर	Grapes	आलू	Potato
अनार	Pomegranate	खीरा	Cucumber
अनानास	Pineapple	गाजर	Carrot
अमरूद	Guava	टमाटर	Tomato
आम	Mango	प्याज़	Onion
केला	Banana	पत्तागोभी	Cabbage
तरबूज़	Watermelon	फूलगोभी	Cauliflower
पपीता	Papaya	बैंगन	Brinjal
संतरा	Orange	मटर	Peas
सेब	Apple	पालक	Spinach

रंग	Colours	पर्व-उत्सव	Festival
काला	Black	होली	Holi
गुलाबी	Pink	दशहरा	Dushhera
नीला	Blue	दीवाली	Divali
पीला	Yellow	रक्षाबंधन	Rakshabandhan
बैंगनी	Purple	जन्माष्टमी	Janmashtmi
भूरा	Brown	ईद	Id
लाल	Red	क्रिसमस	Christmas
नारंगी	Orange	गणतंत्रदिवस	Republic Day
सफ़ेद	White	स्वतंत्रतादिवस	Independance Day
हरा	Green	गांधीजयंती	Gandhi Jayanti

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

सप्ताह के दिन	Days of Week
रविवार	Sunday
सोमवार	Monday
मंगलवार	Tuesday
बुधवार	Wednesday
गुरुवार	Thursday
शुक्रवार	Friday
शनिवार	Saturday

ऋतुएँ	Seasons
वसंत	Spring
ग्रीष्म	Summer
वर्षा	Monsoon
हेमन्त	Pre Winter
शिशिर	Winter
शरद	Autumn

पर्यटन-स्थल	Places Of Tourism
लालकिला	Red Fort
जामामस्जिद	Jama Masjid
कुतुबमीनार	QutabMinar
बिरलामंदिर	Birla Mandir
अक्षरधाम	Akshardham
इंडियागेट	India Gate
हवामहल	Hava Mahal
जंतर-मंतर	JantarMantar
चारमीनार	Char MInar
ताजमहल	Tajmahal

सम्बन्ध	Relations
माता	Mother
पिता	Father
भाई	Brother
बहिन	Sister
दादा	Grand Father
दादी	Grand Mother
चाचा	Uncle
चाची	Aunt
पति	Husband
पत्नी	Wife

शरीर के अंग	Parts of Body	खाने की चीज़ें	Food Stuff
आँख	Eye	चाय	Tea
कान	Ear	डबलरोटी	Bread
गला	Throat	मक्खन	Butter
जीभ	Tounge	अंडा	Egg
दाँत	Teeth	दूध	Milk
नाक	Nose	चीनी	Sugar
पेट	Stomach	नमक	Salt
पैर	Foot	कालीमिर्च	Black Pepper
सिर	Head	छोटी इलायची	Cardamom
हाथ	Hand	दही	Curd
वस्तुएँ	**Objects**		
कुर्सी	Chair		
मेज़	Table		
पंखा	Fan		
घड़ी	Watch		
पर्दा	Curtain		
कम्बल	Blanket		
चादर	Sheet		

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

संलग्नक : 2

मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

1.	नाच ना जाने, आँगन टेढ़ा	A bad workman quarrels with his tools
2.	नौ नगद, न तेरह उधार	A bird in hand is worth two in bush
3.	दूध का जला छाछ को भी फूँक–फूँक कर पीता है	A burnt child dreads the fire
4.	ऊँट के मुँह में जीरा	A drop in the ocean
5.	अन्धों में काना राजा	A figure among cyphers
6.	ओस चाटे प्यास नहीं बुझती	A fog connot be dispelled by a fan
7.	का बरसा जब कृषि सुखाने	After death, the doctor
8.	कंगाली में आटा गीला	A light purse is a heavy curse
9.	नीम हकीम खतरे जान	A little knowledge is a dangerous thing
10.	अंत भला, तो सब भला	All is well that ends well
11.	खाली दिमाग शैतान का घर	An idle brain is a workshop of Devil
12.	चार दिन की चाँदनी, फिर अंधेरी रात	A nine day's wonder
13.	यथा राजा तथा प्रजा	As the king, so are his subjects
14.	जैसी करनी वैसी भरनी	As you sow, so shall your reap
15.	जो गरजते हैं, वे बरसते नहीं। थोथा चना बाजे घना	Barking dogs seldom bite
16.	दान की बछिया के दाँत नहीं गिने जाते	Beggars cannot be choosers
17.	पहले तोलो, फिर मुँह खोलो	First weigh than say
18.	होनहार बिरवान के होत चीकने पात	Coming events cast their shadows before
19.	चादर देखकर पाँव पसारो	Cut your coat according to your cloth
20.	दूर के ढोल सुहावने	Distant drums sound well
21.	ऊँची दूकोन फीका पकवान	Great cry, little wool
22.	बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद	Honey is not for donkey's mouth
23.	एक हाथ से ताली नहीं बजती	It takes two to make a quarrel
24.	बिन सेवा मेवा नहीं	No pain, no gain
25.	लातों के भूत बातों से नहीं मानते	Rod is the logic of fools
26.	अपने मुँह मियाँ मिट्ठू	Self praise is no recommendation

हिन्दी - विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

27.	जैसे को तैसा	Tit for tat
28.	एक पंथ दो काज	To kill two birds with one stone
29.	जैसा देश, वैसा वेष	When you go to Rome, do as the Romans do
30.	झगड़े की जड़	A bone of Contenting
31.	आँख का तारा	Apple of one's eye
32.	इधर कुआँ, उधर खाई	Between the devil and deep sea
33.	प्रतिभा पलायन	Brain drain
34.	चोरी का माल, मोरी में	Easy come easy go
35.	थोथा चना, बाजे घना	Empty vassels make much noise
36.	सूर्य को चिराग दिखाना	Hold the candle to the sun
37.	जबान को लगाम दो	Hold your mouth
38.	अपने काम से काम रखना	Mind one's own business
39.	छठे–छमाहे / भूले–भटके / ईद का चाँद	Once in a blue moon
40.	टाँग खींचना	Pull one's leg
41.	इधर–उधर की हाँकना	To beat about the bush
42.	पल में तोला पल में माशा	To blow hot and cold
43.	एड़ी चोटी का जोर लगाना	To do one's level best
44.	हुक्का–पानी बंद करना	To freeze out
45.	बगले झाँकना, भौचक्का होना	To look blank
46.	मुँह की बात छीनना	To take the words out of mouth
47.	हवाई किले बनाना	To walk on air
48.	एक थैली के चट्टे बट्टे	Birds of the same feathers flock together
49.	लड़ाई झगड़े का जीवन	Cat and dog life
50.	मूसलाधार बारिश	It's raining cat and dog

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

संलग्नक : 3

पारिभाषिक शब्दों की सूची (25 अंग्रेजी से हिंदी और 25 हिंदी से अंग्रेजी)

	ENGLISH	**हिंदी**
1.	Ordinance	अध्यादेश
2.	Non-resident	अनिवासी
3.	Minority Commission	अल्पसंख्यक आयोग
4.	Allotment	आबंटन
5.	Excise Duty	उत्पाद शुल्क
6.	Monopoly	एकाधिकार
7.	Cottage industries	कुटीर उद्योग
8.	Republic	गणतंत्र
9.	Hoarding	जमाखोरी
10.	Panel	नामिका / सूची / नामसूची
11.	Atomic Energy	परमाणु ऊर्जा
12.	Ancestral property	पैतृक सम्पत्ति
13.	Waiting list	प्रतीक्षा–सूची
14.	Multi-national companies	बहुराष्ट्रीय कम्पनियां
15.	Basic Education	बुनियादी शिक्षा
16.	Land Revenue	भू–राजस्व
17.	Defamation	मानहानि
18.	Truce/Ceasefire	युद्ध–विराम
19.	Creditor	लेनदार
20.	Speaker Lok Sabha	लोकसभा अध्यक्ष
21.	Financial crisis	वित्तीय संकट
22.	Summit	शिखर सम्मेलन
23.	Public undertaking	सरकारी उपक्रम
24.	Community development	सामुदायिक विकास
25.	Security council	सुरक्षा परिषद्
	हिंदी	**ENGLISH**
1.	पूर्ण एकाधिकार	Absolute monopoly
2.	स्थगन प्रस्ताव	Adjournment motion
3.	सौंदर्यशास्त्र	Aesthetics
4.	कार्य–सूची	Agenda
5.	प्रदूषण विरोधी अभियान	Anti-pollution drive
6.	कौशल, अभिक्षमता	Aptitude

7.	तुलन–पत्र	Balance sheet
8.	पुस्तक समीक्षा	Book review
9.	दफ्तरशाही, नौकरशाही	Bureaucracy
10.	पूंजी निवेश	Capital investment
11.	कालक्रम	Chronological order
12.	नागरिक अधिकार	Civil rights
13.	सामूहिक जुर्माना	Collective fine
14.	स्तंभ लेखक	Columnist
15.	जांच आयोग	Commission of inquiry
16.	सद्भाव	Hormony
17.	रूढ़िवादी समाज	Conservative Society
18.	संविदा, ठेका	Contract
19.	पदावनति	Demotion
20.	अवमूल्यन	Devaluation
21.	वृत्तचित्र	Documentary Film
22.	रोजगार केंद्र (रोजगार कार्यालय)	Employment Exchange
23.	मूल्यांकन	Evaluation
24.	जाली, नकली दस्तावेज	Forged Document
25.	कार्यसाधक ज्ञान	Functional Knowledge

हरिमोहन शर्मा/HARI MOHAN SHARMA
प्रो. एवं अध्यक्ष/Prof. and Head
हिन्दी विभाग/Department of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय/University of Delhi
दिल्ली-110007/Delhi-110007

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय